भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

30.07.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1789 का उत्तर

नई वंदे भारत ट्रेनें

1789. श्री डी. एम. कथीर आनंद:
श्री संदिपनराव आसाराम भुमरे:
डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगे:
श्री ज्ञानेश्वर पाटील:
श्री निलेश ज्ञानदेव लंके:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वंदे भारत रेलगाड़ियों की मुख्य विशेषताएं क्या हैं;

(ख) महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित देश भर में वर्तमान में संचालित मार्गों की संख्या का राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार की रेल यात्रियों के लाभ के लिए और अधिक रेल मार्गों पर वंदे भारत रेलगाड़ियां शुरू करने की योजना है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) आगामी वर्षों में संचालित की जाने वाली ऐसी और अधिक रेलगाड़ियों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) देश भर में उक्त रेलगाड़ियों के समग्र उपयोग का ब्यौरा क्या है;

(च) क्या उक्त ट्रेनों का प्रदर्शन सभी मार्गों पर उत्कृष्ट है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(छ) क्या सरकार की देश के गरीब/निम्न मध्यम वर्ग के लोगों के लाभ के लिए वंदे भारत रेलगाड़ियों में टिकट किराया कम करने की कोई योजना है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ज) क्या सरकार का गरीब/निम्न मध्यम और मध्यम वर्ग के लोगों को सस्ती रेल यात्रा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो मध्य प्रदेश के संबंध में तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ज): यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से, भारतीय रेल ने आधुनिक सवारी डिब्बों, उन्नत संरक्षा विशेषताएं और यात्री सुविधाओं वाली स्वदेशी रूप से डिजाइन और विनिर्मित वंदे भारत गाड़ियां शुरू की हैं। इन नई वंदे भारत गाड़ियों की निम्नलिखित विशेषताएं हैं:

i. कवच से सुसज्जित।
ii. 180/160 किमी प्रति घंटे के डिजाइन/परिचालन गति के साथ उच्च त्वरण।
iii. स्वदेशी रूप से विकसित यूवी-सी लैंप आधारित विसंक्रमण प्रणाली के साथ एयर कंडीशनिंग इकाइयां।
iv. झटके मुक्त सेमी-परमामेंट कपलर।
v. केंद्रीय रूप से नियंत्रित स्वचालित प्लग दरवाजे और पूरी तरह से सीलबंद चौड़े गैंगवे।
vi. बेहतर यात्रा सुविधा।
vii. सभी सवारी डिब्बों में सीसीटीवी।
viii. सभी सवारी डिब्बों में आपातकालीन अलार्म पुश बटन और टॉक बैक इकाइयां।
ix. बेहतर अग्नि संरक्षा - विद्युत कैबिनेटों और शौचालयों में एरोसोल आधारित अग्नि पहचान और शमन प्रणाली।

x. दिव्यांग यात्रियों के लिए प्रत्येक छोर पर ड्राइविंग कोच में विशेष शौचालय।

xi. वॉयस रिकार्डिगं सुविधा और क्रैश हार्डन मेमोरी सहित ड्राइवर-गार्ड संचार।

xii. रिमोट मॉनिटरिंग सहित कोच कंडीशन मॉनिटरिंग सिस्टम डिस्प्ले।

इसके अलावा, भारतीय रेलवे ने लंबी और मध्यम दूरी की यात्राओं के लिए वंदे भारत स्लीपर गाड़ियों की योजना तैयार की है। सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै में विनिर्माण के लिए कुल 60 रेकों का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, 200 वंदे भारत स्लीपर रेक के विनिर्माण के लिए प्रौद्योगिकी सहयोगियों को ठेके भी दिए गए हैं।

वंदे भारत स्लीपर गाड़ियों में मुहैया कराई गई व्यापक प्रौद्योगिकीय रूप से उन्नत और संरक्षा विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

I. कवच से सुसज्जित।

II. दुर्घटना-रोधी एवं जर्क फ्री सेमी परमामेंट कपलर एवं एंटी-क्लाइम्बर्स।

III. ईएन मानकों के अनुरूप कारबॉडी का दुर्घटना-रोधी डिज़ाइन।

IV. ईएन-45545 एचएल3 अग्नि संरक्षा मानक।

V. प्रत्येक सवारी डिब्बे के अंत में अग्नि अवरोधक दरवाजे।

VI. ऊर्जा दक्षता के लिए पुनर्योजी ब्रेकिंग प्रणाली।

VII. एयर कंडीशनिंग इकाइयों में स्वदेशी रूप से विकसित यूवी-सी लैंप आधारित विसंक्रमण प्रणाली लगाई गई है।

VIII. आपातकालीन स्थिति में यात्री और गाड़ी प्रबंधक/लोको पायलट के बीच संचार के लिए आपातकालीन टॉक-बैक इकाई।

IX. ऊपर की बर्थ पर चढ़ने में आसानी के लिए एर्गोनॉमिक रूप से डिज़ाइन की गई सीढ़ी।

चूँकि रेल नेटवर्क राज्य की सीमाओं के आर-पार फैला हुआ होता है, इसलिए नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार, इन सीमाओं के पार गाड़ियां चलाई जाती हैं। वर्तमान में, भारतीय रेल नेटवर्क पर 144 वंदे भारत गाड़ी सेवाए आरंभिक/समापन आधार पर परिचालन में हैं। इनमें महाराष्ट्र राज्य में स्थित विभिन्न स्टेशनों की ज़रूरतों को पूरा करने वाली 22 वंदे भारत गाड़ी सेवाएं और मध्य प्रदेश के विभिन्न स्टेशनों की ज़रूरतों को पूरा करने वाली 8 वंदे भारत गाड़ी सेवाएं शामिल हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल में वंदे भारत गाड़ी सेवाओं सहित नई गाड़ी सेवाओं की शुरुआत, परिचालनिक व्यवहार्यता, यातायात औचित्य, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन एक सतत् प्रक्रिया है।

वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 (जून 2025 तक) में वंदे भारत एक्सप्रेस गाड़ियों की समग्र अधिभोगिता क्रमशः 102.01% और 105.03% है।

भारतीय रेल 720 करोड़ से अधिक यात्रियों को किफायती परिवहन सेवा प्रदान करता है। भारतीय रेल के यात्रा भाड़े विश्व में सबसे कम रेल भाड़ों में शामिल है, यहां तक कि पड़ोसी देशों की तुलना में भी, भारतीय रेल का किराया दुनिया में सबसे कम है।

सब्सिडी: वित्त वर्ष 2023-24 में यात्री किराए पर दी जाने वाली कुल सब्सिडी राशि अनंतिम रूप से 60,466 करोड़ रुपए अनुमानित है। यह सब्सिडी यात्री किराए की लागत का 45% है।

साधारण श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों को अधिक स्थान प्रदान करने के लिए, रेलवे द्वारा साधारण श्रेणी में यात्रा की मांग करने वाले यात्रियों की सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि की है। केवल पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान ही विभिन्न लंबी दूरी की गाड़ियों में 1250 साधारण सवारी डिब्बों का उपयोग किया गया।

अवातानुकूलित सवारी डिब्बों के प्रतिशत में लगभग 70% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है:

तालिका 1: सवारी डिब्बों का वितरण:

अवातानुकूलित सवारी डिब्बे (साधारण और शयनयान)	लगभग 57,200	लगभग 70%
वातानुकूलित सवारी डिब्बे	लगभग 25,000	लगभग 30%
कुल सवारी डिब्बे	लगभग 82,200	100%

साधारण सवारी डिब्बों की अधिक उपलब्धता के कारण, साधारण/अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि का रुझान देखा गया है, जैसा कि निम्नानुसार दर्शाया गया है:

तालिका 2: साधारण/अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रियों की संख्या:

वर्ष	यात्रियों की संख्या
2020-21	99 करोड़ (कोविड वर्ष)
2021-22	275 करोड़ (कोविड वर्ष)
2022-23	553 करोड़
2023-24	609 करोड़
2024-25	651 करोड़

पिछले कुछ वर्षों में अवातानुकूलित यात्रियों के लिए उपलब्ध सीटों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वर्तमान संरचना निम्नानुसार है:

तालिका 3: सीटों का वितरण:

अवातानुकूलित सीटें	लगभग 54 लाख	लगभग 78%
वातानुकूलित सीटें	लगभग 15 लाख	लगभग 22%
कुल	लगभग 69 लाख	100%

दिए गए उपरोक्त आंकड़ों से, यह स्पष्ट है कि भारतीय रेल निम्न और मध्यम आमदनी वाले परिवारों के लिए प्रतिबद्ध है, जो परिवहन के एक किफायती साधन के रूप में रेलों को पसंद करते हैं।

रेलवे ने अमृत भारत एक्सप्रेस नाम से एक पूरी तरह से अवातानुकूलित आधुनिक गाड़ी विकसित की है। 14 गाड़ी सेवाएँ पहले से ही परिचालित की जा रही हैं। इन आधुनिक गाड़ियों में झटके रहित यात्रा के लिए सेमी-ऑटोमैटिक कपलर, हॉरिजॉन्टल स्लाइडिंग विंडो, फोल्डेबल स्नैक टेबल एवं बोतल होल्डर, मोबाइल होल्डर आदि जैसी उन्नत सुविधाएँ हैं। इन गाड़ियों में 8 शयनयान श्रेणी और 11 साधारण श्रेणी के सवारी डिब्बे हैं।

अमृत भारत एक्सप्रेस गाड़ियों का विकास, मेमू गाड़ियों का विनिर्माण और साधारण सवारी डिब्बों की हिस्सेदारी में वृद्धि स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि भारतीय रेल द्वारा साधारण श्रेणी में यात्रा की मांग को प्रभावी रूप से पूरा किया जा रहा है।

अवातानुकूलित सवारी डिब्बों की मौजूदा उच्च हिस्सेदारी (कुल सवारी डिब्बों का लगभग 70%) के अलावा, रेलवे द्वारा अगले 5 वर्षों में 17,000 अवातानुकूलित साधारण/शयनयान सवारी डिब्बों के लिए एक विशेष विनिर्माण कार्यक्रम क्रियान्वित किया जा रहा है।

साधारण और अवातानुकूलित शयनयान सवारी डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अधिक स्थान मुहैया कराने के लिए मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों की संरचना के बारे में मौजूदा नीति में 22 सवारी डिब्बों की एक रेलगाड़ी में 12 (बारह) साधारण श्रेणी और शयनयान श्रेणी, अवातानुकूलित सवारी डिब्बों और 08 (आठ) वातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रावधान किया गया है, जिससे साधारण और अवातानुकूलित शयनयान सवारी डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अधिक स्थान मुहैया कराया जा सके।

इसके अतिरिक्त, अनारक्षित स्थान प्राप्त करने के इच्छुक यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, भारतीय रेल द्वारा किफायती यात्रा के लिए अनारक्षित अवातानुकूलित यात्री गाड़ियों/एमईएमयू/ईएमयू आदि का परिचालन किया जाता है, जो मेल/एक्सप्रेस सेवाओं में उपलब्ध अनारक्षित स्थान (सवारी डिब्बे) के अतिरिक्त है।

******